Prof. Khushbu Kumari
Guest Teacher
Dept. of Political science
V.S.J. College, Rajnagar, Madhubani, Lnmu

Class – B.A-1 (H)
Paper – II

Topic – महात्मा गांधी के आदर्श राज्य संबंधी विचार

Lecture - 2

नागरिक अधिकारों पर आधारित – गांधीजी का राज्य स्वतंत्रता समानता तथा अन्य नागरिक अधिकारों पर आधारित होगा। इस समाज में प्रत्येक व्यक्ति को अपने विचार व्यक्त करने और समुदायों के निर्माण की स्वतंत्रता होगी। समाज में जाति, धर्म, भाषा, वर्ण और लिंग आदि के भेदभाव के बिना सभी व्यक्तियों को समान सामाजिक और राजनीतिक अधिकार प्राप्त होंगे।

निजी सम्पत्ति का अस्तित्व – इस आदर्श राज्य में निजी सम्पत्ति की प्रथा का अस्तित्व होगा, किन्तु सम्पत्ति के स्वामी अपनी सम्पत्ति का प्रयोग निजी स्वार्थ के लिए नहीं, बल्कि समस्त समाज के कल्याण के लिए करेंगे। वे यह समझकर कार्य करेंगे कि उनके पास जो सम्पत्ति है उसका वास्तविक स्वामी समाज ही है और समाज के द्वारा उन्हें इस सम्पत्ति का संरक्षक नियुक्त किया गया है।

प्रत्येक व्यक्ति के लिए श्रम अनिवार्य –

इस आदर्श समाज में प्रत्येक व्यक्ति के

Scanned with CamScanner

लिए अपने भरण-पोषण हेतु श्रम करना अनिवार्य होगा। कोई भी मनुष्य अपने जीवन-यापन के लिए दूसरों की कमाई हड़पने का प्रयास नहीं करेगा और बौद्धिक श्रम करने वाले व्यक्तियों के लिए भी कुछ-न-कुछ समय के लिए शारीरिक श्रम करना अनिवार्य होगा।

वर्ण व्यवस्था — गांधीजी का आदर्श समाज वर्ण-व्यवस्था पर आधारित होगा। प्राचीन काल की तरह समाज चार वर्गों में विभाजित होगा — ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र। प्रत्येक वर्ग वंश-परम्परा के आधार पर अपना कार्य करेगा, किन्तु इन वर्गों को सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक क्षेत्र में समान अधिकार प्राप्त होंगे और किसी भी प्रकार की ऊँच-नीच की भावना नहीं होगी।

अस्पृश्यता का अन्त — गांधीजी अस्पृश्यता को भारतीय समाज के लिए कलंक मानते थे और उनके आदर्श समाज में अस्पृश्यता के लिए कोई स्थान नहीं था।

धर्मनिरपेक्ष समाज — इस समाज में किसी एक विशेष धर्म को राज्य का आश्रय प्राप्त नहीं होगा। राज्य की दृष्टि में सभी धर्म समान होंगे और सभी धर्मों के अनुयायियों को समान सुविधाएं होंगी।

Scanned with CamScanner

गौ-वध निषेध — गांधीजी भारत जैसे राज्य में धार्मिक तथा आर्थिक दोनों ही दृष्टि से गाय की रक्षा को बहुत अधिक आवश्यक मानते थे। इसलिए इनके द्वारा गौहत्या का निषेध किया गया है।

मद्य-निषेध — गांधीजी का विचार था कि मद्य और अन्य मादक पदार्थों का सेवन व्यक्तियों का चारित्रिक पतन करता है। अतः उनके आदर्श समाज में न तो मादक वस्तुओं का उत्पादन होगा और न ही उनकी बिक्री।

निःशुल्क प्राथमिक शिक्षा — गांधीजी के आदर्श समाज में गांव-गांव में बुनियादी ढंग की स्वावलम्बी पाठशालाएँ होंगी, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति को कम-से-कम प्राथमिक शिक्षा निःशुल्क प्रदान की जायेगी।

Khushbu Kumari
8th August 2020

Scanned with CamScanner